पावटा में गृह प्रवेश से पहले चोरों ने घर से लाखों के जेवर व नगदी चुराई

घर में घुसने के लिए रसोई में लगी चिमनी का सहारा लेकर अंदर दाखिल हुए थे चोर

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में ग्राम बड़नगर के सारणों की ढाणी में चोरी की एक वारदात सामने आई है, जहां गृह प्रवेश से पहले ही चिमनी के रास्ते चोरों ने प्रवेश कर सूने मकान को निशाना बना लिया। हैरानी की बात यह रही कि बदमाश घर में घुसने के लिए रसोई में लगी चिमनी का सहारा लेकर अंदर दाखिल हुए और बड़ी सफाई से लाखों रुपए की नकदी व सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफ कर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार द्वारा नए मकान में जल्द ही गृह प्रवेश की तैयारियां चल रही थीं। वहीं मकान मालिक राजू सारण अपने बेटे के साथ एक शादी में गया हुआ था। वही घर में अकेली उसकी पत्नी मीना देवी पास ही मंदिर में दिया बत्ती कर एक शादी में वार फेर करने गई हुई थी। इसी बीच मकान को सूना देख अज्ञात चोरों ने लाइट काट कर सीढ़ियों के सहारे छत पर जाकर रसोई में लगी चिमनी का सहारा लेकर अंदर दाखिल हुए व घर में अलमारी व संदूक खंगाल डाले और कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। घटना का खुलासा तब हुआ जब रात करीब 10 बजे मीना देवी घर पहुंची और लाइट कटी देख पास में रह रहे अपने जेठ व जेठानी को फोन किया उनके आने पर अंदर जाकर देखा तो दरवाजे खुले मिले और सामान बिखरा हुआ मिला। नकदी व गहने गायब मिलने पर तुरंत प्रागपुरा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया व प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने एसएफएल, एमओबी, बीटीएस टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए।

चोरी की वारदात के बाद आरोपी सामान बिखेर गये।

- मकान मालिक अपने बेटे के साथ शादी में गया हुआ था, घर में अकेली पत्नी भी शादी में गई हुई थी

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने जल्द ही कार्यवाही कर चोरी की वारदात का खुलासा करने का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से आमजन में भय का माहौल बन गया है, वहीं पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

झुंझुनूं, (निसं)। पॉक्सो न्यायालय झुंझुनूं के विशिष्ट न्यायाधीश इसरार खोखर ने नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में आरोपी अभिषेक उर्फ अभिराज पुत्र बोबीराज नायक को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जुर्माना राशि जमा नहीं कराने पर आरोपी को तीन माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

मामले के अनुसार तीन नवंबर 2024 को पीड़िता के पिता ने पुलिस थाना सिंघाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री घर से लापता हो गई है। पुलिस जांच के बाद आरोपी अभिषेक उर्फ अभिराज के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में चालान न्यायालय में पेश किया गया। राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे विशिष्ट लोक अभियोजक सुरेंद्र सिंह भाम्बू ने न्यायालय को बताया कि 11 दिसंबर 2024 को पीड़िता पुलिस के समक्ष पेश हुई।

पीड़िता ने बयान में बताया कि आरोपी उसे बहला-फुसलाकर एवं डरा-धमकाकर चिड़ावा ले गया और बाद में चूरू से जयपुर पहुंचाकर मंदिर में शादी कर ली। इसके बाद आरोपी ने उसे जयपुर स्थित एक मकान में बंद रखा तथा कई बार जबरन दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के चलते पीड़िता ने एक बच्ची को जन्म भी दिया। अभियोजन पक्ष ने मामले में 13 गवाहों के बयान करवाए तथा 33 दस्तावेज न्यायालय में पेश किए। अभियोजन ने मामले को गंभीर प्रकृति का बताते हुए आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों एवं गवाहों के बयानों का गहन परिक्षण करते हुए आरोपी को विभिन्न धाराओं में क्रमशः 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 50 हजार रुपये जुर्माना, पांच वर्ष का कठोर कारावास एवं 30 हजार रुपये जुर्माना तथा अन्य धारा में पांच वर्ष का कठोर कारावास एवं 30 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। सभी सजाएं साथ-साथ चलाने के आदेश दिए गए हैं। न्यायालय ने आरोपी पर कुल एक लाख 60 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

निर्माणाधीन मकान में करंट दौड़ा, दो घायल

डूंगरपुर, (निसं। जिले के सदर थाना क्षेत्र के माथुगामडा गांव में एक निर्माणाधीन मकान में काम करते समय अचानक मकान मालिक और एक कारीगर को करंट लग गया। हादसे में दोनों घायल हो गए, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, माथुगामडा निवासी सूरजमल यादव के घर पर निर्माण कार्य चल रहा था। गेजी उम्बेला निवासी कारीगर सुरमाल कटारा छत की भराई के लिए सरिये बांधने का काम कर रहा था। मकान मालिक सूरजमल भी पास खड़े होकर काम का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान, मकान के ऊपर से गुजर रही हाई-वोल्टेज विद्युत लाइन की चपेट में दोनों आ गए। करंट का झटका इतना तेज था कि दोनों अपना संतुलन खो बैठे और सीढ़ियों से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने बिना समय गंवाये दोनों घायलों को निजी वाहन की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया।

- मकान मालिक और कारीगर हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आ गए

हनुमानगढ़ में हत्या के प्रयास का फरार आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। रावतसर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी संदीप उर्फ सैंडी (21) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। संदीप वार्ड नंबर 6, चाईया का निवासी है और लंबे समय से वांछित था।

जानकारी के अनुसार मामला 21 अक्टूबर 2025 को दर्ज किया गया था। पीड़ित सुभाषचंद्र ने रिपोर्ट में बताया था कि वह किकरालिया बस स्टैंड पर अपनी कार के पास खड़े थे। इसी दौरान एक बोलेरो कैंपर ड्राइवर ने उन्हें जान से मारने की नीयत से टक्कर मार दी। इस घटना में सुभाषचंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए और कार भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। पीड़ित के अनुसार, बोलेरो कैंपर में 5-6 लोग सवार थे, जो घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने इस मामले में पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। इनमें राकेश सिहाग, अक्षय वाल्मीकि, संजय जाट, अभिषेक कासानिया और विकास चौधरी उर्फ विक्की शामिल थे। अब इस मामले में वांछित चल रहे आरोपी संदीप उर्फ सैंडी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

- आरोपी पर पांच हजार का इनाम घोषित था, रावतसर पुलिस ने कार्रवाई की
- मामले में पहले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था

पुलिस ने बताया कि संदीप की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसने लगातार प्रयास कर उसे दबोचा। यह कार्रवाई थाना अधिकारी ईश्वरानंद के नेतृत्व में एसआई विजेंद्र शर्मा और उनकी पुलिस टीम द्वारा की गई। गिरफ्तार आरोपी संदीप से पूछताछ जारी है और पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

कांग्रेस नेता पर स्याही फेंकने के मामले में थाना प्रभारी व पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

अजमेर, (कासं)। कांग्रेस सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के पदाधिकारी पीयूष सुराणा पर पुलिस हिरासत के दौरान स्याही फेंकने के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने सुरक्षा में इसे गंभीर चूक मानते हुए गंज थाना प्रभारी महावीर सिंह, हैड कांस्टेबल प्रभात कुमार और संबंधित एएसआई को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

मामले के अनुसार दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ कथित अमर्यादित सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में गंज थाना पुलिस ने पीयूष सुराणा को हिरासत में लिया था। सुराणा जब पुलिस कस्टडी में थे, तभी भाजपा महिला मोर्चा की कुछ पदाधिकारी थाने पहुँचीं और विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस के घेरे के बीच ही सुराणा पर स्याही फेंक दी। थाने के भीतर हुई इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब कानूनी लड़ाई दोनों ओर से शुरू हो गई है, भाजपा की ओर से अमर्यादित पोस्ट के मामले में पीयूष सुराणा के खिलाफ पहले ही मामला दर्ज कराया गया था। वहीं कांग्रेस की ओर से सुराणा के छोटे भाई श्रेयांश सुराणा ने थाने में घुसकर स्याही फेंकने और दुर्व्यवहार करने के आरोप में भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

एएसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों पक्षों की ओर से दर्ज प्रकरणों की जांच दरगाह थाना प्रभारी दिनेश जीवनानी को सौंपी गई है। विभागीय स्तर पर भी यह जांच की जा रही है कि आखिर कड़े पहरे के बीच बाहरी लोग आरोपी तक पहुँचने में कैसे सफल रहे।

इधर पीयूष सुराणा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि विवादित फेसबुक पोस्ट से उनका कोई लेना-देना नहीं है और उनके सोशल मीडिया अकाउंट का किसी ने दुरुपयोग किया है।

पुलिस अब सुराणा के सोशल मीडिया अकाउंट्स की तकनीकी जांच करवा रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके कि पोस्ट किसने और कहां से की थी।

सरवाड़ के निकटवर्ती गांव अजगरा में शुक्रवार को श्री शिव माली समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन में 25 जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामा। विवाह सम्मेलन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि समिति की और से वर-वधुओं को आवश्यक घरेलू सामान उपहार स्वरुप प्रदान किये गये। बाद में आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बाहर से आए हुए अतिथियों का समिति की और से स्मृति चिन्ह भेंटकर व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम ने शिरकत की।

मजदूर दिवस पर वेतन बढ़ोतरी एवं समस्याओं के निस्तारण की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। एक मई को मजदूर दिवस के अवसर पर भीलवाड़ा जिले में संचालित टेक्सटाइल एवं औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को लगातार बढ़ती हुई महंगाई से राहत दिलाने हेतु उनके वेतनमान में बढ़ोतरी एवं और दुगुना ओवरटाइम सुनिश्चित रूप से मिले इसको लेकर भीलवाड़ा जिला इंटक अध्यक्ष दीपक व्यास के नेतृत्व में जिला कलैक्टर को एक मांग पत्र सौंपा गया है। सभी श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश, न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, दुगुनी ओवर टाइम एवं महंगाई भत्ते के पुनर्निर्धारण और श्रमिकों की आवास एवं खाद्य सुरक्षा आदि एवं कई फैक्ट्रियों में श्रमिकों को नहीं मिल रही अन्य सुविधाएं सी.एल., पी.एल., बोनस, ठोज्युटी आदि की समस्याओं को लेकर भी ध्यान आकर्षित किया गया।

मांग पत्र देते समय जिला महामंत्री कान सिंह चुंडावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भैरू सिंह टांक, नंदलाल गाडरी, बीपीएल श्रमिक संघ के अध्यक्ष सांवर दरोगा, गोपाल गुर्जर, डूंगर सिंह, मॉडर्न बस्टेड के गोपाल तेली, मदनसिंह टांक, ओमप्रकाश वैष्णव, जहीरूद्दीन मेवाफरोश, संपत गुर्जर, शंकर गुर्जर, रामेश्वर कुम्हार, श्रवण सिंह, जगदीश गुर्जर, मोहनलाल तेली, हरिप्रसाद जोशी, हरकचंद कोठारी सहित कई साथी उपस्थित थे।

डूंगरपुर में सूने मकान से लाखों के जेवर व नगदी चोरी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के सोनिया चौक स्थित एक रिहायशी मकान में अज्ञात बदमाशों ने घर का दरवाजा खोल कर अंदर पड़े सारे सामान को बिखेर दिया और उसमें सोने-चंदी के आभूषण तथा लाखों की नगदी चुराकर ले गए। घटना के समय पीड़ित कुछ ही दूरी पर स्थित अपनी दुकान पर कार्यरत था। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली।

- गृहस्वामी कुछ ही दूरी पर स्थित दुकान पर कार्यरत था

प्राप्त जानकारी के अनुसार जयराज श्रीमाल पुत्र कन्हैयालाल श्रीमाल जो कि सोनिया चौक में घर से कुछ ही दूरी पर किराणा की दुकान चलाता है तथा उसकी पत्नी विगत दो माह से उसकी पुत्री की प्रसूति होने के कारण उसके पास गई हुई थी। घर पर वह अकेला ही था तथा किराणा का अधिकांश सामान घर पर ही रखता था, जिसके कारण मुख्य दरवाजे पर तो केवल कुंडा ही लगाता था, जबकि अंदर के दरवाजे पर ताला लगा हुआ था। दोपहर में जब वह घर पर गया तो खिड़की खुली हुई थी और बाहर पड़ी पैंट में से नगदी गायब थी और अंदर के दरवाजे पर ताला यथावत लगा हुआ होने कारण उस समय तो उसने ध्यान नहीं दिया, लेकिन शाम को जब दुकान बंद करके घर गया और भीतर का दरवाजा खोला तो सारा सामान बिखरा हुआ था तथा लगभग 2.70 लाख रुपए अलमारी में पड़े व 28000 से अधिक पैंट में पड़े रुपये गायब थे। उसके अलावा लगभग साढे तीन किलो चांदी के आभूषण तथा 15 तोला सोने के आभूषण गायब थे। इतना सारा नुकसान देखकर फरियादी घबरा गया तथा तत्काल जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली तथा प्रार्थी से नगदी व चोरी के समान की लिखित रिपोर्ट ली।

चोरी की वारदात के बाद बिखरा हुआ सामान।

जोधपुर में श्रमिक संगठनों ने जुलूस निकाला

जोधपुर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर शुक्रवार को सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों ने जुलूस निकाला। केन्द्रीय एवं प्रदेश स्तरीय ट्रेड यूनियन संगठनों द्वारा एकजुटता दिखाते हुए संयुक्त रूप से जुलूस निकाला गया। श्रमिकों में मुख्य रूप से विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों, विभागों तथा क्षेत्रों में कार्यरत असंगठित श्रमिक थे जो साधारणतया श्रम कानूनों के तहत विनिर्दिष्ट आठ घंटे काम करने के अधिकार से वंचित है तथा जिनसे नियमों के विपरीत आठ घंटे से अधिक कार्य लिया जाता है।

सभी श्रमिक संगठन व उनसे जुड़े अन्य संगठन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी आज सुबह रेलवे स्टेशन रोड़ स्थित नार्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन के कार्यालय पर एकत्रित हुए। यहां से जुलूस निकाला गया। जुलूस नार्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन कार्यालय पर झण्डारोहण की रस्म तथा शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि के साथ आरंभ हुआ। इससे पूर्व केन्द्रीय श्रम संगठनों का एक दल जालोरी गेट स्थित स्व. राधाकृष्ण बोहरा तात् स्मारक पहुंचा व प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। जुलूस राजरणछोड़दास मंदिर, पुरी तिराहा व नई सडक़ चौराहा होता हुआ मजदूर मैदान पहुंचकर सभा में परिवर्तित हो गया। सभा को वक्ताओं ने सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों को लेकर संबोधित किया। वक्ताओं ने सभा में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में काम के घंटे आठ के अधिकार को सुनिश्चित करने, विनाशकारी आर्थिक नीतियों तथा निजीकरण पर रोक लगाने, सार्वजनिक उपक्रमों पर हमले बंद करने, श्रम कानूनों में श्रमिक विरोधी संशोधनों को वापस लेने, ठेकेदारी प्रथा पर रोक लगाने, केन्द्रीय जांच एजेन्सियों का दुरूपयोग बंद करने, नई पेन्शन योजना वापस लेकर ओपीएस लागू करने सहित श्रमिक समस्याओं के निवारण की मांग की गई।

लूट मामले में महिला सहित दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने हनी ट्रेप में फंसा कर पीड़ित की सोने की चेन व नकदी लूट के मामले में महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूटा गया माल व वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में टीम ने हनी ट्रेप में फंसा कर लूट, अपहरण व फिरौती की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए आरोपी हिम्मत सिंह पुत्र फतह सिंह निवासी छातरड़ी झाड़ोल व अनु उर्फ चेरी पुत्री भेरूलाल पत्नी सत्यनारायण निवासरी टीडवास बरखेड़ा मंदसोर एमपी हॉल सर्वऋतु विलास को गिरफ्तार किया। सुखेर थाना क्षेत्र भेरवगढ रोड़ के पास फार्म हउस में पीडित को हनी ट्रेप में फंसा कर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में अनु ने सोशल मीडिया पर पीड़ित से दोस्ती कर अपने साथियों के साथ साजिश रच कर पीडित से मिलने के लिए फार्म हाउस पर गए। इस दौरान लूट की वारदात को अंजाम देकर उसका अपहरण कर सोने की चेन एवं पचास हजार रूपये लूटने के बाद दूसरे दिन छोड़ कर फरार हो गए थे।

फरार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। वाघपुरा थाना पुलिस ने लूट के मामले में तीन माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 25 जनवरी को किशनलाल पुत्र नानालाल निवासी बाल्वी बाघपुरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 23 जनवरी को मोड़ासा से मजदूरी कर बाइक से घर लौट रहा था। खाटी कमदी के समीन नाड़ा नामक स्थान पर पिछे से बाइक पर आए तीन बदमाशों ने मुझे रोक कर मारपीट की तथा तलवार मार कर मेरा मोबाईल, 12 हजार रूपये नकदी लूट ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम मय टीम ने राजीवर पुत्र प्रकाशचन्द्र निवासी उपली गोरण बाघपुरा को गिरफ्तार किया।

जोधपुर में निजी अस्पताल में तोड़फोड़ सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल रोड पर निजी अस्पताल में एक महिला की तीन दिन पहले मौत हो गई थी। बाद में गुस्साए परिजन ने अस्पताल के बाहर धरना दिया और फिर काफी समझाइश के बाद धरना समाप्त किया। गुस्साए परिजन की तरफ से अस्पताल परिसर में घुसकर कंप्यूटर सिस्टम के तोड़फोड़ करने और केश काउंटर कार्यरत स्टाफ से मारपीट भी गई। स्टाफ को जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया गया। अब स्टाफ की तरफ से देवनगर थाने में राजस्थान चिकित्सा सेवा अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया गया है।

जानकारी के अनुसार देवलिया बनाड़ गांव की 50 साल की कंचन कंवर की अस्पताल में तीन दिन पहले ऑपरेशन के बाद में मौत हो गई थी। परिजन और राजपूत समाज के लोगों ने अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन के साथ हंगामा किया था। धरना दो दिन तक चला था। समझाइश के उपरांत धरना समाप्त किया गया था। बाद में शव का एम्स अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया था। परिजन की तरफ से देवनगर थाने में परिवाद भी दिया गया था, जिस पर पुलिस की तरफ से जांच जारी है। साथ ही मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की कमेटी मामले को लेकर जांच भी कर रही है।

- निजी अस्पताल में एक महिला की तीन दिन पहले मौत के बाद में गुस्साए परिजन ने अस्पताल के बाहर धरना दिया और फिर धरना समाप्त किया
- गुस्साए परिजन की तरफ से अस्पताल परिसर में घुसकर कंप्यूटर सिस्टम के तोड़फोड़ करने और केश काउंटर कार्यरत स्टाफ से मारपीट भी गई थी

देवनगर पुलिस ने बताया कि बिरला स्कूल के पास रहने वाले अमित पंडित की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह निजी अस्पताल में कैश काउंटर पर कार्य संभालता है एवं उसके साथ कैलाश, अनिल भी कैश काउंटर का कार्य संभालते हैं। 29 अप्रैल को लगभग 2.30 बजे हॉस्पिटल के कैश काउंटर पर शम्भू सिंह मेड़तिया, अर्जुन सिंह रुन्किया, तेजपाल सिंह, श्रवण सिंह इंदा बालेसर और अन्य कई लोग गैंग बनाकर एकराय होकर एवं सोची-समझी साजिश के तहत आए और कैश काउंटर पर तोड़फोड़ करने लग गए। उसके साथ मारपीट की और काउंटर पर खड़े कैलाश व अनिल के साथ भी मारपीट करते हुए जातिसूचक अपशब्द बोले। बाद में शम्भू सिंह मेड़तिया ने बाहर जाकर अन्य लोगों को उकसाकर हॉस्पिटल के अंदर लेकर आया और काउंटर को नीचे गिराकर लगभग 1.50 लाख रुपये की लूटपाट की एवं कैश काउंटर पर कम्प्यूटर, कैश काउण्ट करने वाली मशीन, कार्ड स्कैन करने की मशीनरी को तोड़फोड़ कर खुर्दबुर्द किया एवं अन्य भी काफी नुकसान पहुंचाया। इस घटना से अस्पताल के कर्मचारियों में भय व्याप्त हो गया।

नवलगढ़ : अस्पताल इंजेक्शन चोरीकांड में चौथा आरोपी भी गिरफ्तार

323 ह्यूमन एल्ब्यूमिन इंजेक्शन गायब होने के मामले में नवलगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई की

झुंझुनूं/नवलगढ़, (निसं)। नवलगढ़ के राजकीय जिला चिकित्सालय से महंगे ह्यूमन एल्ब्यूमिन इंजेक्शन चोरी होने के बहुचर्चित मामले में नवलगढ़ थाना पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर आरोपी दीपेन्द्र सैनी को दबोचकर मामले में बड़ा खुलासा किया है।

पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृत्ताधिकारी महावीर सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी अजय सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दीपेन्द्र सैनी पुत्र नागरमल माली निवासी कांवट, जिला सीकर हाल डायलिसिसकर्मी मोनिका अस्पताल झोटवाड़ा जयपुर है। आरोपी को 30 अप्रैल को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

- जयपुर के निजी अस्पताल में कार्यरत डायलिसिसकर्मी दीपेन्द्र सैनी दबोचा

मामले की शुरूआत 5 अप्रैल 2026 को हुई, जब राजकीय जिला चिकित्सालय नवलगढ़ के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी महेन्द्र सबलानिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया गया कि 2 अप्रैल की सुबह मेल वार्ड में ड्यूटी कर रहे नर्सिंग स्टाफ ने दवाइयों की अलमारी से ह्यूमन एल्ब्यूमिन इंजेक्शन कम पाए जाने की सूचना दी। इसी दौरान वार्ड में मौजूद एक संदिग्ध युवती की तलाशी लेने पर उसके बैग से 8 इंजेक्शन बरामद हुए। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की। जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि अस्पताल से 323 ह्यूमन एल्ब्यूमिन इंजेक्शन गायब हैं। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि मामले में इससे पहले दिपाली कुमावत निवासी नवलगढ़, देवेन्द्र सिंह निवासी खाखोली सीकर तथा विकास निवासी बबाई हाल मुरलीपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब दीपेन्द्र सैनी की गिरफ्तारी के बाद मामले में और भी अहम खुलासों की संभावना जताई जा रही है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी अजय सिंह, उपनिरीक्षक संतोष, कांस्टेबल बाबूलाल, संतोष, मुकेश और नरेन्द्र की विशेष भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।